गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

मासिक
गोलालारीय दर्शन

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 7 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 दिसम्बर 2015 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

प्रयास रिश्तों को जोड़ने का 'पत्रिका' का विमोचन

कहा जाता है कि जोड़ियां 'ऊपर' से बनकर आती है किन्तु जोड़ियों को मिलाने का काम धरती पर ही करना पड़ता है । समय के साथ ये कार्य भी अत्यंत कठिन होता जा रहा है । विज्ञान और तकनीक ने जहां यह काम सरल किया है वहीं रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं ने इसे जटिल बना दिया है । आज विवाह एक धार्मिक सामाजिक या पारिवारिक विधि न रहकर व्यक्तिगत होती जा रही है । स्वाभाविक ही जोड़ियां मिलाने का काम भी पंडित, नाई, कुंडली आदि से हटकर मैरिज ब्यूरो, मैट्रीमोनियल साइट्स और बायोडाटा द्वारा होने लगा है । सिद्धक्षेत्र पवाजी (पावागिरी) का वार्षिक मेला भी ऐसे ही एक पारंपरिक मैरिज ब्यूरो की तरह है जहां बरसों से समाजजन विवाह संबंधों को जोड़ने के लिए एकत्र होते रहे है और सफल भी होते रहे है । यहीं से हमें प्रेरणा मिली अपने मुखपत्र ''गोलालारीय दर्शन'' में विवाह योग्य युवक युवतियों के बायोडाटा छापने की । समाज ने भी इसे हाथों हाथ लिया । समाज के उत्साह को देखते हुए हमने पिछले दो वर्षो से दिसम्बर माह में विवाह विशेषांक निकाला जा रहा था, जिसका स्वागत चहुंओर किया गया। इस वर्ष हमने एक कदम और आगे बढ़ाकर इसे 'प्रयास– रिश्तों को जोड़ने का' एक विस्तृत पत्रिका का कलेवर दिया । इस हेतु जून माह से विशाल स्तर पर तैयारी की गयी । देशभर में हमारे क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने कठिन परिश्रम कर विवाह योग्य प्रत्याशियों के बायोडाटा एकत्र कर हम तक पहुंचाये और अपने प्रवेशांक में ही 496 बायोडाटा का सफल प्रकाशन संभव हो सका । पत्रिका के विमोचन के लिए स्वाभाविक ही पवाजी के वार्षिक मेले से बेहतर कोई और स्थान नहीं हो सकता था, जो इस सपने की जन्मस्थली है ।

29 नवम्बर 2015, रविवार को सिद्धक्षेत्र पवाजी के वार्षिक मेले में आयोजित विमोचन समारोह में न केवल आसपास वरन् दूरदराज से भी अनेक समाजजन उपस्थित हुये । मुख्य अतिथियों एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । मंचासीन मुख्य अतिथि श्री कैलाशचंद जैन 'दैनिक विश्व परिवार' झांसी, श्रीमती आशा अशोककुमार जैन एमआईसी सदस्य भोपाल, पं. विनोदकुमार शास्त्री बबीना व अतिथि शिरोमणि संरक्षक श्री अशोककुमार जैन 'शांति सीड्स' भोपाल, परम संरक्षक श्री खुशालचंद जैन इन्दौर, श्री पुष्पेन्द्रकुमार जैन तालबेहट, श्री राजेश जैन 'बीड़ीवाले' एवं श्री ऋषभ जैन अध्यक्ष महासमिति झांसी, संरक्षक श्री प्रेमचंद जैन डबरा, श्री कोमलचंद जैन इन्दौर एवं श्री बाहुबली जैन, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' इन्दौर, श्री ज्ञानचंद जैन 'पुरावाले', श्री जयकुमार कंधारी, श्री प्रेमचंद जैन नयाखेड़ा, श्री कैलाशचंद जैन ललितपुर के समक्ष मंगलाचरण सुश्री शिखा सलिल जैन, बीना ने प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । तत्पश्चात 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं 108 श्री विद्यासागरजी महाराज का चित्र अनावरण उनके समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया गया । गोलालारीय दर्शन को 11000 ₹ से अधिक दानराशी प्रदान करने वाले परम संरक्षक श्री अशोककुमार जैन 'बिरधावाले', श्री राकेश जैन जौहरी सागर व 5100 ₹ से अधिक दानराशी प्रदान करने वाले संरक्षक सदस्यों श्री राजेन्द्रकुमार जैन स्टेनो ललितपुर, श्री अजितकुमार जैन, श्री कोमलचंद जैन इन्दौर, डॉ. प्रकाशचंद जैन सागर, श्री नरेन्द्रकुमार जैन 'बुढ़वार' भोपाल, श्री नेमीचंद जैन एडवोकेट, श्री शांतिकुमार जैन गंजबासौदा, श्री रविन्द्र जैन भेल झांसी, श्री सुरेन्द्रकुमार पंचरतन सागर, श्री संजय जैन मुंबई, श्री सुरेन्द्रकुमार जैन बामोरकला का हार, तिलक और स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया । प्रयास पत्रिका के प्रकाशन हेतु तन, मन, धन से सक्रिय सहयोग करने वाले क्षेत्रीय प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया । जिनके अथक प्रयासों से आज पत्रिका ने इस ऊंचाई को प्राप्त किया है । श्री कन्छेदीलाल जैन विदिशा, श्री शांतिकुमार जैन गंजबासौदा, श्री सत्येन्द्र जैन अहमदाबाद, श्री विनोद भैया बैरागी, श्री राजकुमार जैन बबीना, श्री विशाल जैन पवा, श्री चक्रेश जैन अशोकनगर, श्री अनिलकुमार जैन छतरपुर, श्री निर्मलकुमार जैन डोंगरगढ़, श्री जयकुमार जैन, डॉ. सुनील जैन, श्री आलोककुमार जैन जबलपुर, श्री राजेश जैन बीड़ीवाले झांसी, श्री विकास जैन जैतवारा, श्री मुन्नालाल जैन एडवोकेट, श्री अरविंदकुमार जैन बरौदवाले, श्री शैलेष जैन पत्रकार, श्री राकेशकुमार जैन 'डब्ल्यू' ललितपुर, श्री कुमुदकुमार जैन मंडी बामौरा, श्री अभिषेक जैन पन्ना, श्री राकेश जौहरी, सुरेश पंचरतन सागर, श्री संजय जैन मुंबई, श्री नरेन्द्र जैन बामोरकला, श्री अशोककुमार जैन जखौरा, श्री मुकेशकुमार जैन पृथ्वीपुर, श्री सुभाष जैन टीकमगढ़ प्रमुख रहे ।

कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री कोमलचंद्रजी जैन अध्यक्ष गोलालारीय समाज इन्दौर ने 'प्रयास' पत्रिका के प्रकाशन तक के सफर का वर्णन किया । वहीं पत्रिका के संपादक श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' ने गोलालारीय दर्शन और प्रयास की आगामी योजनाओं की जानकारी दी । अपने उद्बोधन में उन्होंने आगामी वर्षों में परिचय सम्मेलन आयोजित करने के प्रयास की संभावना जताई जिसका उपस्थित जनसमूह से करतल ध्वनि से स्वागत किया ।

दैनिक विश्व परिवार के संपादक एवं इस आयोजन के प्रेरणास्त्रोत श्री प्रवीणकुमार जैन ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि गोलालारीय दर्शन परिवार अपने प्रतीक चिन्ह के अनुरुप संपूर्ण विश्व के जैन परिवारों को साथ लेकर चलने की भावना पर जोर देता है । इस पत्रिका में दिगम्बर जैन समाज के विवाह योग्य प्रत्याशियों के विवरण का समावेश कर एक नई पहल की शुरुआत इस सिद्धक्षेत्र से की है । बुंदेलखंड का यह तीर्थक्षेत्र कभी विवाह संबंधों को जोड़ने के लिए प्रसिद्ध रहा है, आज यह पत्रिका इस प्रयोजन को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी । दिगम्बर जैन समाज के सदस्यों को मिलजुलकर इस प्रकार के आयोजन निरंतर करते रहना चाहिए ताकि विवाह संबंधी जानकारियां सुलभ रूप से प्राप्त हो और भविष्य में सामूहिक विवाह जैसे प्रंसग की भूमिका हेतु कार्ययोजना का निर्माण हो सके । डॉ. पी.सी. जैन, सागर ने समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार पर जोर दिया, सरकार की ओर से प्राप्त आर्थिक सहायता व योजनाओं की जानकारी प्रदान करने हेतु अपना सहयोग देने की भावना प्रकट की ताकि समाज के विद्यार्थियों को इस हेतु सही मार्गदर्शन प्राप्त हो । विमोचन समारोह के आयोजन में सहयोग देने हेतु पवाजी तीर्थक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष आदि अन्य सदस्यों का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मंचासीन मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों द्वारा प्रयास पत्रिका का विमोचन किया गया। विमोचन के पश्चात सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमूह ने पत्रिका के आकर्षक कलेवर, शानदार प्रिंटिंग और खूबसूरत रूपरंग की भूरि भूरि प्रशंसा की । इस प्रकार 'प्रयास' ने अपने पहले ही प्रयास में इतनी अधिक संख्या में बायोडाटा के संकलन और प्रकाशन में सफलता प्राप्त की । आगामी वर्षो में इसका स्वरूप और वृहद होगा इसकी पूर्ण आशा है । उपस्थित अतिथिगणों और जनसमूह ने प्रयास के सफल प्रकाशन हेतु संपादक मंडल को बधाई दी । कार्यक्रम के अंत में तीर्थक्षेत्र पवाजी कमेटी के अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद्र जैन पूरावालेजी ने सभी का आभार प्रदर्शन किया और कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु श्रीमती अनुपमा जैन, सहसंपादिका गोलालारीय दर्शन को बधाई प्रेषित की । **– अनुपमा जैन, सहसंपादिका**